



# गुलदार (तेदुए) को देखने पर क्या करें और क्या न करें

ये करें



ये न करें



झुंड में यात्रा करें या अगर आप गुलदार वाले इलाके से अकेले गुजर रहे हैं तो संगीत बजाएं या आवाज़ करते रहें ताकि जानवर को आपकी उपस्थिति का पता लग जाए। इससे वह दूर चला जाएगा



भोर, देर शाम या रात को जंगल के आसपास पशुओं को न चराएं क्योंकि तभी तेंदुए सक्रिय होते हैं



जंगलों में घास चराने की बजाय पशुओं को एक ही जगह पर खाना खिलाएँ



उन जगहों में न जाएं जहां गुलदार दिखाई दिया है। गुलदार खुद इलाका छोड़कर चले जाते हैं। दूसरों को भी उन जगहों की सूचना दें ताकि वे भी उन जगहों या रास्तों से दूर रहें



अगर राह में कभी आपको गुलदार दिखता है तो उसे जाने का रास्ता दें। गुलदार हमेशा खतरनाक नहीं होते हैं।



छोटे बच्चों को घर के आसपास अकेला न छोड़ें और उन्हें गाँव में अकेले न घूमने दें



अपने पशुधन को गुलदार से बचाव प्रदान करने वाले ग्रिल के बाड़े में रखें



रात को खुले में अपने पालतू कुत्ते को न बांधें या उसे अकेला न छोड़ें क्योंकि कुत्ते तेंदुए को आकर्षित करते हैं



कूड़ेदानों को ढक कर रखें और कचरे का निपटान कुशल रूप से करें क्योंकि खुले में पड़े कूड़े से आवारा कुत्ते, आवारा जानवर और दूसरे जंगली शाकाहारी जानवर आकर्षित होते हैं और इनकी उपस्थिति तेंदुए को आकर्षित करती है



बच्चों को बाहर अकेले खेलने न दें और अँधेरा होने पर बुजुर्ग इंसान को घर के बाहर न जाने दें



अपने घर के आसपास उगे सभी झाड़ियों और लंबी घासों को हटा दें। इससे गुलदार घर के आसपास छिप नहीं सकेगा



गुलदार के सामने डर या गुस्सा न दिखाएं और अचानक कोई गतिविधि न करें क्योंकि इससे तेंदुआ आपको शिकार समझकर आप पर आक्रमण कर सकता है।



शाम को और रात को अपने घर के आसपास की जगहों को रोशन रखें, और भोर या देर रात बाहर जा रहे हैं तो टॉर्च लेकर चलें



खुले में शौच न करें; शौचालय का इस्तेमाल करें।



माँ के बिना शावक दिखने पर वन विभाग को सूचित करें। शावकों को छूए या उठाए नहीं क्योंकि उनकी माँ आसपास हो सकती है और आक्रमण कर सकती है



गुलदार के लिए किए जाने वाले बचाव कार्य के आसपास भीड़ जमा न करें और तस्वीर लेने या विडियो बनाने की कोशिश न करें। बिना रुकावट किए बचाव दल को अपना कार्य करने दें



इंसानों के रहने की जगह, इमारत या घर में अगर कोई गुलदार घुस आता है तो वन विभाग को सूचित करें



इंसानी पर्यावास में गुलदार के घुस आने पर उसके आसपास भीड़ जमा न करें क्योंकि भीड़ को खतरा के रूप में देखकर गुलदार आक्रमण कर सकता है

भारत में मनुष्य-वन्य जीव संघर्ष शमन पर भारत-जर्मनी सहयोग  
2017 - 2023

भारत में मनुष्य-वन्य जीव संघर्ष शमन  
के संबंध में सामंजस्यपूर्ण सहायता पद्धति का क्रियान्वयन



Implemented by  
giz  
Deutsche Gesellschaft  
für Internationale  
Zusammenarbeit (GIZ) GmbH

